साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** | संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 33 — गोंदिया : गुरुवार, 25 से 31 मार्च 2021 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

गोंदिया शासकीय मेड़िकल कॉलेज पर

दवाईयों, ऑक्सीजन, आहार व बिजली का करोड़ों बकाया

स्वस्थ्य विभाग की अनदेखी

नवीन अग्रवाल – कोरोना संक्रमण काल के दौरान स्वस्थ्य विभाग को अति आवश्यक सेवा की सूचि में रखा गया है। लेकिन इसका विपरित परिणाम गोंदिया के शासकीय मेड़िकल कॉलेज में देखने को मिल रहा है। जिसपर दवाईयों, ऑक्सीजन व मरीजों को दिया जानेवाला आहार तथा बिजली बिल का करोड़ों रुपया बकाया हो चुका है। गौरतलब है कि देश में एक वर्ष से अधिक समय अवधि से कोरोना का संक्रमण निरंतर चल रहा है। जिसके चलते शासन द्वारा स्वस्थ्य सेवा को अति आवश्यक सेवा अंतर्गत प्रधानता दी गई है। जिसमें शासकीय मेड़िकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय आदि में कोरोना संक्रमित मरीजों व सामान्य मरीजों का उपचार किया जा रहा हैं। लेकिन गोंदिया का शासकीय मेड़िकल कॉलेज शुरु होने के बाद से ही शासन व जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का शिकार हो रहा है, एक ओर तो सरकार द्वारा स्वस्थ्य सेवा द्वारा किए जानेवाले उपचार में किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही न होने कड़े निर्देश जारी किए जाते है लेकिन वहीं दुसरी ओर आदेश जारी होने के बावजूद खामियों को दुर करने का प्रयास कोई नहीं करता। गोंदिया के शासकीय मेड़िकल कॉलेज में कोरोना संक्रमण काल के दौरान हजारों मरीज का उपचार हो रहा है। जिसके लिए सामान्य मरीजों को लगनेवाली दवाईयों का करीब २ करोड़ रुपए से अधिक भुगतान बकाया है। भुगतान समय पर प्राप्त न होने के चलते जब संबंधित द्वारा बकाया भुगतान की मांग की जाती है तो कोरोना के नियमों की धौंश देकर दवा अपूर्ति करने को मजबुर किया जाता है। विशेष यह है कि यहां पर उपचार करनेवाले मरीजों को चिकित्सकों द्वारा लिखी गई सभी दवाईयां उपलब्ध नहीं हो पाती जिससे मजबुरन मरीज के परिजनों को बाहर से खरीदकर लानी पड़ती हैं। उल्लेखनिय है कि शासकीय चिकित्सालय में माध्यम वर्गीय गरीब व जिले के दुर्गम क्षेत्रों से आनेवाले मरीजों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता हैं।

मरीजों के आहार का भुगतान बकाया

शासकीय मेड़िकल कॉलेज के अंतर्गत चल रहे शासकीय जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय में उपचार के लिए दाखिल होनेवाले सामान्य मरीज गर्भवति महिलाएं, कोरोना संक्रमित मरीजों को शासन द्वारा दोनों समय भोजन व नास्ता दिया जाता है जिसका का भी करीब डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान गत कुछ महिनों से नहीं हो पाया है। जिससे कभी भी मरीजों के आहार पर संकट निर्माण हो सकता है।

लाखों का बिजली बिल बकाया

शासकीय मेड़िकल कॉलेज के विभिन्न विभागों में लगनेवाली विद्युत के करीब १६ मीटर लगे हुए हैं जिनका भी ५५ लाख रुपए के करीब विद्युत बिल बकाया हो चुका है इसीके चलते कुछ दिनों पूर्व महावितरण के दस्ते द्वारा वसूली के लिए पहुंचकर विद्युत कटौती की चेतावनी दी। हालांकि अति आवश्यक स्वास्थ्य सेवा के चलते मुख्य इमारत की विद्युत लाइन नहीं काटी जा सकती। लेकिन मेड़िकल कॉलेज के हॉस्टल की लाइट काटने की कायवाई शुरु किए जाने पर ७ लाख रुपए का भुगतान किया गया। उल्लेखनिय है कि मेड़िकल कॉलेज के हॉस्टल में भावी डॉक्टर पढ़ाई कर रहे हैं यदि वहां की लाइट कट जाती तो आगामी परीक्षा में उसका विपरित परिणाम विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता।

ऑक्सीजन का ८० लाख रुपए बकाया

कोरोना संक्रमण काल के दौरान संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन की नियमित आपूर्ति होना जरुरी है लेकिन सरकार व प्रशासन द्वारा इस ओर अनदेखी की जा रही हैं गत एक वर्ष के अधिक समय से मेड़िकल कॉलेज पर ऑक्सीजन का करीब ८० लाख रुपए बकाया है लेकिन इस संकट काल की घड़ी में संबंधित ठेकेदार द्वारा इतना भारी भुगतान बावजूद होने के बाद भी ऑक्सीजन की आपूर्ति को रोक नहीं सकता जिसके द्वारा भुगतान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष फरियाद करने के बावजूद बकाया भुगतान नहीं मिल रहा है।

ग्रांट नही मिली
वरिष्ठ अधिकारियों को दी सूचना

शासकीय मेड़िकल कॉलेज को खर्चों व विभिन्न भुगतानों के लिए मिलनेवाली शासकीय ग्रांड नहीं मिल पाई है इसके् संदर्भ में समय-समय पर स्वस्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर सूचित कर ग्रांड की मांग की गई है। जिसकी निधि प्राप्त होते ही सभी बकाया भुगतान किए जाएंगे।

– डॉ. नरेश तिरपुडे,
डीन शासकीय मेड़िकल कॉलेज, गोंदिया

हिरण व दुपहिया की टक्कर

हिरण की मौत दुपहिया सवार जख्मी

आमगांव-गोंदिया मार्ग पर दहेगांव के समीप हुआ हादसा

आनंद शर्मा आमगांव – गोंदिया जिले के वनों में वन्य जीव विचरण करते हैं। लेकिन ग्रीष्मकाल शुरु होते ही वे पानी की तलाश में वनों से निकलकर ग्रामों व मार्गो पर भटकते रहते हैं। जिसके चलते दुर्घटना का भी शिकार हो जाते हैं। इस प्रकार की दुर्घटनाओं में वन्यजीवों के साथ मानव को भी नुकसान होता है। इसी प्रकार का एक मामला २४ मार्च को आमगांव-गोंदिया मार्ग पर दहेगांव के समीप मुख्य मार्ग पर घटित हुआ।

दुपहिया सवार वाहन क्र. एमएच ३५ डब्ल्यू ०४८९ मार्ग से जा रहा था। इसी दौरान मार्ग के दूसरी ओर जाने का प्रयास करने के चक्कर में हिरण व दुपहिया की जबरदस्त टक्कर हो गई जिसमें हिरण ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया तथा दुपहिया सवार २ लोग भी गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिन्हें उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में भेजा गया।

घटनास्थल के समीप स्थित गुरुकृपा आदिवासी आश्रम शाला के कर्मचारी कमलकिशोर व संजय द्वारा इसकी सूचना वन्य जीव प्रेमी रघुनाथ भूते को तथा वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के आर. ओ. दशारियां, के. वी. कदम, विजय सोनवाने, राहुल मानकर, येतलाल केवट द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर मृत हिरण का पशुवैद्यकीय अधिकारी डॉ. एस. बी. पटले के माध्यम से शव विच्छेदन करवाया गया।

उपरोक्त घटना के पश्चात वन्य जीव अत्याचार प्रतिबंधक सदस्य रघुनाथ भूते ने वन विभाग, जिला अधिकारी से मांग की गई उपरोक्त क्षेत्र में इस प्रकार की घटना आए दिन घटित होती है, जिससे वन्य जीव के साथ-साथ नागरिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ती है। इस ओर जल्द से जल्द सुरक्षा के उपाय किए जाए।

कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ की सभा संपन्न

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ महाराष्ट्र राज्य शाखा तहसील अर्जुनी मोरगांव जिला गोंदिया की सभा १३ मार्च को दोपहर १.३० बजे विश्व शांती बुद्ध विहार समता कॉलोनी सिविल लाइन में आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश वासनिक की अध्यक्षता में देवदास मेश्राम, राजेश साखरे, सुरेंद्र भैसारे, विजय गोंडाणे की प्रमुख उपस्थिति में सभा संपन्न हुई। उसी प्रकार सभा में भारत बोरकर, हिरालाल लांडगे, तेजराम गेडाम, विजय कोडापे, लक्ष्मण कोल्हटकर, मनोज लोणारे, रमेश जांभुलकर, हंसराज खोब्रागडे व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर तहसील पदाधिकारी को नियुक्ति आदेश दिया गया व उपस्थित मान्यवरों द्वारा मार्गदर्शन किया गया साथ ही कर्मचारियों को हो रही परेशानी के बारे में विचार किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गजानन रामटेके व आभार देवदास मेश्राम ने माना।

बोगस पत्रकारों पर करे कार्रवाई

आमगांव पत्रकार संघ ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन तहसीलदार को दिया

गोंदिया – संपूर्ण गोंदिया जिले व ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लोग पत्रकारिता के नाम पर गलत कार्य कर अधिकृत प्रतिष्ठित पत्रकारों को बदनाम कर रहे हैं। जिस पर लगाम लगाने के लिए कार्यवाही की मांग का ज्ञापन आमगांव तहसील पत्रकार संघ द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन तहसीलदार आमगांव को देकर मांग की है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में गत कुछ दिनों से बड़े पैमाने पर प्रेस लिखकर वह ऑनलाइन मीडिया के नाम पर जिसमें किसी भी प्रकार का शासकीय पंजीयन ना होने के बावजूद कुछ स्वयं घोषित लोग नागरिक व अधिकारियों पर अपना प्रभाव दिखाने के लिए तथा यूट्यूब पर चलने वाले चैनल के पत्रकार बन चुके हैं। वह किसी भी अधिकृत समाचार पत्र में काम नहीं करते। केवल संकेत स्थल पर गलत लिखकर नागरिकों व अधिकारियों पर धौंस जमाने का कार्य बोगस पत्रकार कर रहे हैं।

विशेष यह है कि सूचना व प्रसारण मंत्रालय में पंजीयन ना होने के बावजूद युट्युब पर अनेक चैनल शुरु है। जिसके चलते सामाजिक स्तर पर होने वाले अन्याय व सामान्य जनता का पक्ष रखने वाले अधिकृत पत्रकार बदनाम हो रहे हैं। इसके चलते जिले के बोगस पत्रकारों पर कार्यवाही करने की मांग का ज्ञापन गोंदिया जिला मराठी पत्र से संलग्न आमगांव तहसील पत्रकार संघ द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के नाम का ज्ञापन तहसीलदार आमगांव को सौंपा।

इस अवसर पर इसुलाल भालेकर, राधाकिशन चुटे, सुनील क्षीरसागर, राजीव फुंडे, नरेंद्र कावड़े, रितेश अग्रवाल, रेखलाल टेंभरे, महेश मेश्राम, विकास शर्मा, आनंद शर्मा आदि पत्रकार उपस्थित थे।

वनों का करे संरक्षण, आग लगने पर वन विभाग को दे जानकारी – रामानुजम

विश्व वन दिवस के अवसर पर किया आवाहन

गोंदिया - विश्व वन दिवस के अवसर पर गोंदिया वन परीक्षेत्र अंतर्गत आने वाले संयुक्त वन व्यवस्थापन समिति गंगाझरी में विश्व वन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि वन संरक्षक तथा संचालक नवेगांव-नागझीरा व्याघ्र प्रकल्प के रामानुजम ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए वनों का करे संरक्षण तथा नुकसान ना पहुंचाएं तथा ग्रीष्म काल के दौरान वनों में आग लगने की घटना सामने आने पर वन विभाग को सूचित करने के साथ ही नागरिक आग बुझाने में सहयोग करें। ग्रामीण क्षेत्र में वन्य प्राणियों के आने पर तत्काल वन कर्मियों से संपर्क कर इसकी जानकारी दें देने का आवाहन आयोजित अवसर पर किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में कार्यक्रम अध्यक्ष व प्रमुख अतिथियों के हस्ते पौधारोपण किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन व प्रस्तावना सहायक वन संरक्षक आर. आर. सदगीर ने रखा। कार्यक्रम के अवसर पर प्रमुख अतिथि के हस्ते मोहा फूल का संकलन करने वाले ग्रामीणों को ग्रीन मेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम के सरपंच, उपसरपंच ,संयुक्त वन व्यवस्थापन समिति के पदाधिकारी गांव के प्रतिष्ठित नागरिक तथा वन कर्मचारी वन परीक्षेत्र अधिकारी सुशील नादवटे, एम.एस.झोरे, एन.डी. यादव, मेहर, लाडोकर तथा वन कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा गोंदिया वन परीक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी बीट में विश्व वन दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें गंगाझरी, भानपुर, टेमनी, सहेसपुर, कटंगी कला, गर्रा, लोहारा, विजयटोला, पांगड़ी का समावेश है।

९ महिनों में ८० हजार रुपए का हल्दी उत्पादन

महिला किसान मनिषा तरोणे का प्रयोग
केवल आधा एकड़ जमीन पर कर दिखाया कारनामा

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- ग्राम सावरटोला निवासी महिला किसान मनिषा किशोर तरोणे ने अपने आधा एकड़ के खेत में प्रायोगिक आधार पर हल्दी का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया है। वर्तमान में वे नवगांवबांध में रहती हैं तथा उनके पास २० एकड़ जमीन है व विभिन्न प्रकार के उद्योग है। कृषि उनका मुख्य और पसंदीदा व्यवसाय है।

हालांकि जिले की मुख्य फसल धान है, लेकिन उनके द्वारा प्रतिवर्ष नया प्रयोग करते हुए नया उत्पादन अपने खेत में लिया जाता है। जिसमें महिला किसान मनिषा किशोर तरोणे द्वारा तरबूज, मक्का, दाल, गेहूं और चना सहित कई प्रकार की सब्जियों की खेती करती रहती हैं। उन्होंने एक ड्रिप सिंचाई प्रणाली बनाई ताकि विभिन्न फसलों को बेहतर तरीके से खेत में उगाया जा सके। इसी के तहत यवतमाल से उन्होनें चार क्विंटल वायगांव हल्दी के बीज लेकर आए और आधा एकड़ जमीन में लगाए। मनीषा तरोन ने बताया कि हल्दी की फसल का उत्पादन शुरु होने में ९ महीने का समय लगता है। धैर्य रखते हुए उन्होंने आधा एकड़ जमीन पर तीस क्विंटल गीली हल्दी का उत्पादन किया। जिससे लागत के बाद भी उन्हें ३० से ३५ हजार रुपए का लाभ प्राप्त हुआ।

संपादकिय

नेता-पुलिस गठजोड़

उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के पास विस्फोटक पाए जाने का मामला अब किसी एक या कुछ खास अफसरों-नेताओं की गड़बड़ी तक सीमित नहीं रह गया है। फिलहाल गृहमंत्री अनिल देशमुख के इस्तीफे को लेकर पक्ष-विपक्ष में तलवारें तनी हुई हैं, लेकिन उनकी अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से अलग हटकर देखें तो इस मामले से कई ऐसे गहरे सवाल उभर कर सामने आए हैं जिनका जवाब तलाशना बहुत जरुरी है। इसका यह मतलब हरगिज नहीं है कि संबंधित अफसरों-नेताओं की जिम्मेदारी के सवाल को आगे के लिए टरका दिया जाए।

सौ करोड़ रुपये प्रति माह वसूली की बात सनसनीखेज जरुर है, लेकिन लॉकडाउन की बंदी में इसे अविश्वसनीय मानने वालों को किनारे कर दें तो भी पुलिस द्वारा व्यापारियों से पैसा वसूलने को लेकर इतनी सारी बातें पहले से कही जाती रही हैं कि यह आरोप ज्यादा चौंकाता नहीं है।

असल सवाल यह है कि इसे रोकने का कहीं भी कोई सुव्यवस्थित प्रयास क्यों नहीं दिखता। हाल ही में पूर्व हुए मुंबई पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह से भी यह सवाल बनता है कि पद से हटाए जाने के बाद जो बातें उन्होंने कही हैं, पद पर रहते हुए ऐसा कोई संकेत भी क्यों नहीं दिया? उनके कमिश्नर रहते कोई उनके अधीनस्थ अधिकारियों को अवैध वसूली के काम में लगा रहा है, यह सूचना उन्हें उस समय जरा भी उद्वेलित क्यों नहीं कर पाई?

जिस निलंबित एपीआई सचिन वाजे के इर्द-गिर्द पूरा विवाद खड़ा हुआ है, उसका निलंबन रद्द करके उसे दोबारा पुलिस सेवा में लाने और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के अपने फैसले के लिए वे किसको जिम्मेदार ठहराएंगे? राजनीतिक दलों को भी समझना होगा कि अस्पतालों के बिलों और रसीदों के जरिये किसी नेता का बचाव करने की एक सीमा होती है। यह पूरा प्रकरण इतना गंभीर है कि इस पर लीपापोती की कोई भी कोशिश घातक होगी। राज्य सरकार को हर हाल में यह सुनिश्चित करना होगा कि इस मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच न केवल हो, बल्कि होती हुई सबको दिखे भी।

बेहतर होगा कि सत्तारुढ़ गठबंधन के घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व अविलंब ऐसी विश्वसनीय जांच की स्थिति बनाने के लिए काम शुरु करे। एक सवाल सरकारों के उस रवैये का भी है जिसकी वजह से ऐसे हालात बनते हैं। क्या वजह है कि न केवल महाराष्ट्र विकास आघाड़ी की मौजूदा सरकार बल्कि इससे पहले की बीजेपी सरकार ने भी पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की?

इस मामले को तो यथाशीघ्र उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाना ही चाहिए, पुलिस बल को ज्यादा प्रोफेशनल, ज्यादा जिम्मेदार बनाने की जरुरत को भी अब और नहीं टाला जाना चाहिए। राज्यों और महानगरों के पुलिस प्रमुख भक्तिभाव देखकर नहीं, श्रेष्ठतम प्रोफेशनल योग्यता के आधार पर ही चुने जाने चाहिए। अफसोस कि देश को इस जरुरत का अहसास उस मुंबई पुलिस की बदहाली देखकर हो रहा है, जिसे भारत का सबसे सक्षम पुलिस बल माना जाता रहा है।

होली

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्यौहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

होली रंगों का तथा हंसी-खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है। रंगों का त्यौहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रुप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखतः धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं। लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयां खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुंचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्यौहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूं की बालियां इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रुढ़ियां भूलकर ढोलक-झांझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। गुझिया होली का प्रमुख पकवान है जो कि मावा (खोया) और मैदा से बनती है और मेवाओं से युक्त होती है। इस दिन कांजी के बड़े खाने व खिलाने का भी रिवाज है। नए कपड़े पहन कर होली की शाम को लोग एक दूसरे के घर होली मिलने जाते हैं। जहां उनका स्वागत गुझिया, नमकीन व ठंडाई से किया जाता है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

इतिहास

होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है।

इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्ह्य-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से ३०० वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलबरुनी ने भी अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होलिकोत्सव का वर्णन किया है। भारत के अनेक मुस्लिम कवियों ने अपनी रचनाओं में इस बात का उल्लेख किया है कि होलिकोत्सव केवल हिंदू ही नहीं, मुसलमान भी मनाते हैं। सबसे प्रामाणिक इतिहास की तस्वीरें हैं मुगल काल की और इस काल में होली के किस्से उत्सुकता जगाने वाले हैं। अकबर का जोधाबाई के साथ तथा जहांगीर का नूरजहां के साथ होली खेलने का वर्णन मिलता है। अलवर संग्रहालय के एक चित्र में जहांगीर को होली खेलते हुए दिखाया गया है। शाहजहां के समय तक होली खेलने का मुगलिया अंदाज ही बदल गया था। इतिहास में वर्णन है कि शाहजहां के जमाने में होली को ईद-ए-गुलाबी या आब-ए-पाशी (रंगों की बौछार) कहा जाता था। अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के बारे में प्रसिद्ध है कि होली पर उनके मंत्री उन्हें रंग लगाने जाया करते थे। मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में दर्शित कृष्ण की लीलाओं में भी होली का विस्तृत वर्णन मिलता है।

इसके अतिरिक्त प्राचीन चित्रों, भित्तिचित्रों और मंदिरों की दीवारों पर इस उत्सव के चित्र मिलते हैं। विजयनगर की राजधानी हंपी के १६वी शताब्दी के एक चित्रफलक पर होली का आनंददायक चित्र उकेरा गया है। इस चित्र में राजकुमारों और राजकुमारियों को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ राज दम्पत्ति को होली के रंग में रंगते हुए दिखाया गया है। १६वी शताब्दी की अहमदनगर की एक चित्र आकृति का विषय वसंत रागिनी ही है। इस चित्र में राजपरिवार के एक दंपत्ति को बगीचे में झूला झूलते हुए दिखाया गया है। साथ में अनेक सेविकाएं नृत्य-गीत व रंग खेलने में व्यस्त हैं। वे एक दूसरे पर पिचकारियों से रंग डाल रहे हैं। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्ति चित्रों और आकृतियों में होली के सजीव चित्र देखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए इसमें १७वी शताब्दी की मेवाड़ की एक कलाकृति में महाराणा को अपने दरबारियों के साथ चित्रित किया गया है। शासक कुछ लोगों को उपहार दे रहे हैं, नृत्यांगना नृत्य कर रही हैं और इस सबके मध्य रंग का एक कुंड रखा हुआ है। बूंदी से प्राप्त एक लघुचित्र में राजा को हाथीदांत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है जिसके गालों पर महिलाएं गुलाल मल रही हैं।

होलिका दहन की मुख्य कथा

होली के पर्व से अनेक कहानियां जुड़ी हुई हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है प्रह्लाद की। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के अहंकार में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रुप से यह भी माना जाता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है। वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है

प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा-कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

आधुनिक काल में होली

आज होली के भी अनेक रुप देखने को मिलते हैं। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फिल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रुप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चौती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएं चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रुप भी आकार लेने लगा है। बाजार में इसकी उपयोगिता का अंदाज इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्जोआमूर द्वारा जारी नए इत्र **होली है** से लगाया जा सकता है।

मुख्य ८ प्राणायाम

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

बाह्य प्राणायाम

विधि : सिद्धासन या पदमासन में विधिपूर्वक बैठकर श्वास को एक ही बार में यशायक्ति पुरा बाहर निकाल दें। श्वास बाहर निकालकर त्रिबन्ध अर्थात मूलबन्ध उड्डीयान बन्ध एवं जालन्धर बन्ध लगाकर श्वास को यथाशक्ति बाहर ही रोककर रखें। जब श्वास लेने की इच्छा हो तब बन्धों को हटाते हुए धीरे-धीरे श्वास लें। श्वास भीतर लेकर उसे बिना रोके ही पुनः पूर्ववत् श्वसन किया कीजिये।

३ से ५ सेकेंड मे श्वास को सहजता से पूरा अंदर भरना एवं ३ से ५ सेकेंड में ही सहजता से श्वास को बाहर ही १० से १५ सेकेंड में ही सहजता से श्वास को बाहर ही १० से १५ सेकेंड रोककर रखना तथा पुनः इसी क्रिया को बिना रुके लगातार करना उत्तम है। इस प्रकार २ मिनट में सामान्यतः ३ से ५ बार बाह्य प्राणायाम करना सामान्यतः पर्याप्त है। गुदभ्रंश योनिभ्रंश, पाईल्स (बवासीर), फिस्ट्रला (भगन्दर), यौन रोगों आदि से पीड़ित व्यक्ति इसका अभ्यास ११ बार तक कर सकते हैं। कुण्डलिनी जागरण के इच्छुक साधक एवं उर्ध्वरता होने की प्रबल इच्छा रखने वाले साधक इस प्राणायाम को एक समय में अधिकतम २१ बार तक अभ्यास कर सकते हैं।

समस्त रोगों यथा बन्ध्यत्व / अप्रजनितृत्व (इन्फर्टिलिटी), प्रदर (ल्युकोरिया) आदि तथा गर्भाशय दोष में भी यह प्राणायाम बहुत लाभप्रद है।

सावधानी : उच्च व निम्न रक्तचाप एवं हृदय रोगों से पीड़ित व्यक्ति को इस प्राणायाम का अभ्यास नहीं करना चाहिए। सिरदर्द, माइग्रेन से ग्रसित रोगी भी इसका अभ्यास न करें। प्रारंभ में ही व्यक्ति व मन को इसका अभ्यास न करके शरीर व मन को इस अभ्यास के अनकूल बना लेना चाहिए। यह एक उच्चकोटी का यौगिक अभ्यास है।

लाभ : वाह्य प्राणायाम में ऑक्सीजन (ऑक्सीजन) की अधिक मात्रा का व्यवहार होने से ऊर्जा की खपत ज्यादा होती है। जब पूरक अथवा रेचक के समय की तुलना में बाह्य प्राणायाम कुम्भक की अवधि अधिक होगी, तब शरीर में ऑक्सीजन की खपत ९९ प्रतिशत तक गीर जाती है। ऑक्सीजन की खपत होना तनावजन्य उत्तेजनाओं के कम बनने से मनुष्य तथा सभी प्राणियों के दीर्घकाल पर्यन्त जीवित संबंध है।

पाईल्स (बवासीर), फिस्टुला (भगन्दर) फिशर गुदाभ्रंश, योनिभ्रंश आदि रोगो में लाभप्रद है। वीर्य की उर्ध्वगति करके स्वप्नदोष, शीघ्रपतन आदि धातु विकारों की निवृत्ति करता है। वृद्धि सुक्ष्म और तीव्र होती है। ब्रह्मचर्य की रक्षा एवं कुण्डलिनी जागरण में अतीव्र उपयोगी है।

उज्जायी प्राणायाम

विधि : ध्यानोपयोगी आसन में बैठकर दोनों नासापुटों से पुरक करते हुए गले को सिकोड़ते हैं और जब गले को सिकोड़कर श्वास अंदर करते हैं, तब खर्राटे लेते समय गले से आवाज होती है, वैसे ही इसमे पूरक करते हुए कण्ठ से ध्वनि होती है। हवा का घर्षण नाक में नहीं होना चाहिए। इस प्राणायाम से सदा दायी नासपुट को बंद करके बायीं नासिका से ही रेचक करना चाहिए। प्रारम्भ में कुम्भक का प्रयोग न करके केवल पूरक और रेचक का ही अभ्यास करें। धीरे-धीरे कुम्भक का समय पूरक जितना तथा कुछ दिनों के अभ्यास के बाद कुम्भक का समय पूरक दुगना कर दीजिये। कुम्भक १० सेकंड से ज्यादा करना हो तो जालन्धर बन्ध और मूलबन्ध भी लगायें।

विशेष : प्राणायाम के सम्बन्ध मे सामान्य सावधानियों का ध्यान अवश्य रखें।

लाभ : थायरॉइड, स्त्रोरिंग (सोते समय खर्राटें की आवाज) टॉन्सिल, स्लीपएप्निया, फुप्फुस एवं कण्ठविकार, अजीर्ण, आमवात, जलोदर, ज्वर आदि रोगों में बहुत करागर है। आवाज को मधुर बनाता है, इसमें बच्चों का हकलाना, तुतलाना भी ठीक होता है।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

रंग-रंगीली होली के गीत

– कैलाश यादव **सनातन**

होली रंग बरसाना

मीरा के मनभावन माधव, रुक्मा राज किए संग कान्हा,
होली रंग रंगा बरसाना, पग-पग राधा पग-पग कान्हा।
नीला, पीला, हरा, गुलाबी, सतरंगी अंबर होली का,
आओ मिलकर खुशियां बांटें, कष्टों की जल जाए होलिका।
जिनकी सजनी छूट गई है, हर होली उनकी बदरंगी,
जिनकी सजनी रुठ गई है, होली उन बिछुड़ों की संगी।
पग-पग नफरत, पग-पग विषधर,
आस्तीन नहीं है जिनकी, उनको भी डस लेते विषधर,
आओ मिलकर प्रेमरंग से, सबके मन का जहर बुझाए,
अमृत भर दें नख से शिख तक, हर चेहरे पर रंगत लाएं।
कष्ट मिटाएं मानवता का, आओ गीत फाग के गाएं
मिलजुल कर हर चौराहे, रंगों का यह पर्व मनाएं।
कहीं पे राधा, कहीं पे मीरा, कहीं पे रुक्मा मिलती है,
होली की है छटा निराली, हमको हर घर मिले हैं कान्हा।
मीरा के मनभावन माधव, रुक्मा राज किए संग कान्हा,
होली रंग रंगा बरसाना, पग-पग राधा पग-पग कान्हा।

मुबारक सबको होली

धनवानों की भरी है झोली, नित्य मनाते हैं दीवाली,
जिनके दिल में प्रेमभरा है, जेब रही है सदा से खाली,
हमने देखा वे मतवाले, हर फागुन में खेले होली।
श्वेत-श्याम का मिटा दे अंतर,
गली-गली कान्हा मिल जाते
राधा दिखती सबके अंदर
जाति धर्म का भेद मिटा दे, हर चेहरा बनता रंगोली,
हमने देखा वे मतवाले, हर फागुन में खेले होली,
अंतर मन से करु प्रार्थना, रहे मुबारक सबको होली।
अनेकता में एकता, हिंद की विशेषता,
इंद्रधनुष के रंग हैं कण-कण, रचियता खुद बिखेरता,
कायनात के मौसम सारे, कायनात की सारी ऋतुएं
यदि देखना हो तो आओ, हिंद ही सहेजता,
अनेकता में एकता, हिंद की विशेषता,
जिसने की है जग की रचना, सारे रंग भरे यहीं पर,
लगता है जग रचते-रचते, यहीं पे खेली उसने होली
अंतरमन से करु प्रार्थना, रहे मुबारक सबको होली।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : जीवन खुशनुमा रहेगा, मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। करियर संबंधित नए विकल्प उभर सकते हैं। अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फिटनेस रुटीन का पालन करें। कोई अनजान व्यक्ति मददगार हो सकता है। दोस्तों के साथ एडवेंचर हॉलीडे के लिए जा सकते हैं।

वृषभ : करियर में आगे बढ़ने का सही समय है। धन संबंधी विवाद में उलझ सकते हैं। कारोबार में अनिश्चितता रहेगी। जिन लोगों से प्यार करते हैं, उन्हें खुश करने की कोशिश करें।

मिथुन : आपका ध्यान पारिवारिक मामलों पर ज्यादा रहेगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं व योग्यताओं का खुलकर प्रदर्शन करें। धन संबंधित बकाया मामले निबट जाएंगे। प्रापर्टी में निवेश करने की जल्दबाजी न करें। लोग आपकी नरमदिली का गलत फायदा उठा सकते हैं।

कर्क : छात्रों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर गंभीर रुख अख्तियार करने की जरुरत है। बिजनेस करने वालों का कारोबार बढ़ेगा। पेट के रोग हो सकते हैं। दूसरों के काम में रोक-टोक करने से बचें। प्रापर्टी खरीदने से पहले उससे जुड़ीं कानूनी पेचीदगियों पर गौर जरुर करें। यात्रा रोमांचक व चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

सिंह : होम लोन की अर्जी पारित होने की संभावनाएं हैं। किसी भी प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले उससे जुड़े धन संबंधित आंकड़ों पर गौर कर लें। छात्र कठिन सवाल में उलझ सकते हैं। मौसमी बीमारियां हो सकती हैं। मानसिक शांति व संतोष का अनुभव करेंगे।

कन्या : अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक जीवन में तालमेल बनाकर चलें। छात्रों को समय की मांग समझे। परिवार का कोई सदस्य बिना बात के घर में विवाद खड़ा कर सकता है। हो सके तो इस परिस्थिति को परिपक्वता से संभाल लें।

तुला : खर्चों को काबू न कर पाना अहितकर रहेगा जिसके कारण जल्दी ही आपको धन संकट का सामना करना पड़ सकता है। शारीरिक पीड़ा के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। छात्रों का आत्मविश्वास अपने चरम पर रहेगा। नौकरी पाने के बेहतर विकल्प उभरेंगे।

वृश्चिक : प्रेम संबंध सही रुप से नहीं चल रहा है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों को नौकरी के ऑफर मिल सकते हैं। नए कॉन्ट्रेक्ट साइन करेंगे। सही फैसले लेते हुए अपनी इंकम बढ़ा सकेंगे। परिवार में मधुरता आ सकती है।

धनु : सेहत सुधारने की दिशा में किए गए प्रयास सफल हो रहे हैं। काम से थोड़े समय के ब्रेक ले रुटीन से निजात पाना सही रहेगा। कोर्ट-कचहरी के विवाद उलझ भी सकते हैं। नए संबंध बन सकते हैं, पुराने संबंधों में सुधार होने के योग हैं और मजबूती भी आएगी। किसी बात को लेकर मन बेचौन रह सकता है।

मकर : अधूरे काम पूरे करना समय की मांग है। प्राथमिकता तय करते हुए काम पूरे करें। धन की स्थिति मजबूत होती जा रही है। प्रेम संबंध गहरा रहा है। छात्रों को कुछ समय का ब्रेक ले लेना चाहिए ताकि वे तरोताजा हो जाएं। बिजनेस या निजी मामलों के लिए लोन लेना पड़ सकता है। अनचाहे खर्चे भी हो सकते हैं।

कुंभ : आमदनी का भी कोई एकदम नया सोर्स आपको मिल सकता है। बेरोजगारों को रोजगार मिल सकता है। आनन-फानन में एक से ज्यादा काम एकसाथ शुरु करने से बचें। इससे आपका पैसा और समय भी खर्च हो सकता है। प्रापर्टी से फायदा हो सकता है। कपड़ा व्यापारियों के लिए समय अच्छा है।

मीन : काम समयसीमा के अंदर ही निबटाने की कोशिश करें ताकि आखिरी मिनट की दौड़भाग से बच सकें। लव पार्टनर रुटीन तोड़कर कुछ रोमांचक करने की इच्छा जता सकते हैं। पुरानी बीमारियों से भी परेशान हो सकते हैं। पुराने निवेश से भी फायदा हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भी होने के योग हैं।

१0 हजार आदिवासी मजदूरों पर मंडराया आर्थिक मंदी का साया

गोंदिया – आदिवासी विकास महामंडल ने गोंदिया जिले के आदिवासी किसानों द्वारा धान खरीदा था। लेकिन अभी भी १० हजार ६६० किसानों को ४३ करोड़ १५ लाख ९४ हजार ४०२ रुपए धान खरीदी की राशि नहीं दी गई है। इस कारण आदिवासी किसान परिवारों पर आर्थिक संकट गहरा गया है। जानकारी के अनुसार आदिवासी विकास महामंडल की ओर से गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव, सड़क अर्जुनी, देवरी व सालेकसा तहसील में ४४ धान खरीदी केंद्र संचालित किए गए हैं। आदिवासी किसानों द्वारा इन केंद्रो पर खरीफ की फसल खरीदी जा रही है। अब तक ३६ हजार ३९२ आदिवासियों ने ९ लाख ६० हजार ९८ क्विंटल धन बेचा है। जिनमें २५ हजार ७३२ किसानों को १३२ करोड़ १७ लाख ६ हजार रुपए का धान का पेमेंट किया गया। लेकिन गत डेढ़ माह से १० हजार ६६० किसनों के बैंक खातों में धान खरीदी की राशि जमा नही की गई है। अनेक मर्तबा आदिवासी किसान बैंक की पासबुक लेकर संबंधित बैंक में जाकर राशि चेक कर रहे हैं। लेकिन उनके खाते पर धान की राशि जमा नहीं होने की बात कही जा रही है। इस कारण आदिवासी किसानों में आदिवासी विकास महामंडल के खिलाफ तीव्र रोष व्याप्त है।

जल्द मिलेगी निधि

उपरोक्त किसानों के बैंक खातों में जल्द ही धान खरीदी की राशि जमा की जाएगी। निधि नहीं होने के कारण किसानों की राशि अटक गई है, लेकिन जल्द ही धान खरीदी की निधि मिलेगी।

– **धनेश्वर चोउदर,** विकास अधिकारी आदिवासी विकास महामंडल, भंडारा

विभागीय कृषि सहसंचलकों द्वारा
राष्ट्रीय अन्नसुरक्षा अभियान अंतर्गत फसलों की जांच व मार्गदर्शन

गोंदिया – जिले में मुख्य रुप से धान की फसल ली जाती है। लेकिन तहसील कृषि अधिकारी गोंदिया की ओर से गलीत धान व कडधान का लगवाड़ी क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से फसल का प्रात्यक्षिक लिया जा रहा है। राष्ट्रीय अन्न सुरक्षा अभियान अंतर्गत तहसील के किसानों को ज्वारी, करडई व मोहरी फसल की प्रात्याक्षिक जांच इस वर्ष की गई। गोंदिया जिले की तहसीलों में करडई व मोहरी की फसलों का प्रात्याक्षिक जांच कृषि सहसंचालक रविंद्र भोसले, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी गणेश घोरपडे, कृषि उपसंचालक विष्णु सालवे द्वारा ग्राम कासा के नंदलाल चौधरी की रब्बी ज्वारी वाण फुल रेवती की फसलों की जांच की व ज्वारी फसल की समाधानकारक हुई पुरी वाढ व फसल की परिस्थिति को देखते हुए गोंदिया जिले में ज्वारी फसल की स्थिति ठीक होने से उत्पादन में बढ़ोत्तरी होने की आशंका व्यक्त की गई है। जिसके चलते किसानों को ज्वारी फसल का क्षेत्र बढ़ाने का का अहवान किया गया है। उसी प्रकार ज्वारी की पीठ व करडई तेल के १ व २ किलो के पैकिट बनाकर गट के नाम से बाजार में बिक्री की जाए इस प्रकार की सलाह दी गई है। ग्राम कोहका में रामेश्वर नागपुरे के करडई फसल वाण पीकेव्ही पिंक २०७ प्रात्याक्षिक जांच की जिसमें फसल में उन्नती होती दिखाई दी। इसी तरह कृषि उपसंचालक सालवे ने ग्राम पोवरीटोला में ओमकार चौधरी के मोहरी का प्रात्याक्षिक जांच की साथ ही यांत्रिकीकरणा अंतर्गत मयाराम पवार के रिपर की जांच की। आर.के.व्ही.वाय अंतर्गत दिनेश कोहले के शेडनेट में शिमला मिर्ची, मग्रारोहयो अंतर्गत लगाई गई चुन्नीलाल किरणपुरे खमारी के खेत परिसर में लगाई गई फसल की जांच की। इस अवसर पर उपविभागीय कृषि अधिकारी भिमाशंकर पाटिल, तहसील कृषि अधिकारी धनराज तुमडाम, मंडल कृषि सहायक तंत्रज्ञान व्यवस्थापक शैलेश बिसेन, कृषि सहायक जे.टी. मेंढे, रवि कुंभारे, दाडगे, भलावी सरपंच मोहपत खरे व तहसील के किसान उपस्थित थे।

क्रीड़ा संकुल में जल दिवस मनाया

गोंदिया- जिले के क्रिड़ा संकुल गोंदिया में जल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में घनश्याम राठौर, जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेंद्र शिंदे, गोंदिया तहसील क्रीड़ा अधिकारी नाजुक उईके, राज्य क्रीड़ा अधिकारी अनिराम मरसकोल्हे क्रीड़ा अधिकारी धनंजय बारसागड़े, वरिष्ठ लिपिक तथा विनेश फुंडे वॉलीवाल कोच इन सभी ने जल के महत्व को बताया और योग व निसर्गोपचार तज्ञ माधुरी परमार ने जल चिकित्सा के बारे में विस्तृत जानकारी देकर कहा कि जल ही जीवन का आधार है।

महारानी अवंतीबाई लोधी बलिदान दिवस मनाया

गोंदिया - अवंती बाई लोधी महासभा द्वारा अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी प्रथम महिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का १६३ वा बलिदान दिवस कोवीड-१९ के नियमों का पालन कर मनाया गया। ग्राम कारंजा में सभी समाज ने मिलकर अवंती चौक पर सुबह ९ बजे पूजा अर्चना कर शिव नागपुरे (राष्ट्रीय अध्यक्ष अवंती बाई लोधी महासभा) ने प्रतिमा देने की घोषणा कर भूमि पूजन किया। रेलटोली परिसर में मिलन लिल्हारे के दुकान कांप्लेक्स में व्यापारी बंधुओं ने मिलकर मां अवंती बाई का बलिदान दिवस पर पूजा अर्चना की। ग्राम सहजपुर अवंती चौक में नारी शक्ति एवं युवा शक्ति द्वारा अवंती बाई का बलिदान दिवस मनाया गया। ज्ञात हो कि यहां पर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अवंती बाई लोधी महासभा शिव नागपुरे ने पहले से ही मां अवंती की प्रतिमा दान दी है, लेकिन कोविड-१९ के प्रभाव के कारण अनावरण नहीं हो पाया। ग्राम महालगांव में युवा शक्ति द्वारा अवंती चौक पर बलिदान दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा यहां भी प्रतिमा दान दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस अवसर पर शिक्षा सामाजिक एकता आर्थिक स्थिति मजबूत करने और सामाजिक कुरीति को खत्म करने के साथ-साथ मां अवंती के विचारों पर चलने जैसे मूद्दों पर मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर योगराज उपराडे, शंकरलाल मस्करे, राजू गजानन नागपुरे, धनवंता उपराडे (सरपंच), तुलसी ढेकवार, कविता मोहारे, व ग्राम वासियों ने अथक प्रयास किया।

वीरांगणा महाराणी अवंतीबाई लोधी समाज और सारे भारत का गौरव – पूर्व विधायक अग्रवाल

गोंदिया– लोधी अमर शहीद वीरांगणा महाराणी अवंतीाबई का १६३ वां बलिदान दिवस २० मार्च ग्राम रतनारा के पाटीलटोला में लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित आदिवासी लोककला नृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व जिप सभापति छाया दसरे, पूर्व जिप सदस्य अर्जुन नागपुरे, पूर्व प.स. सभापति प्रकाश रहमतकर, भाजपा गोंदिया मंडल अध्यक्ष धनलाल ठाकरे, पूर्व प.स. उपसभापति धनेंद्र (पप्पु) अटरे आदि की प्रमुख उपस्थित में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक अग्रवाल ने कहा कि लोधी महारानी अवंतीबाई वह वीरांगणा थी जिसने अंग्रेजी हुकुमत को हिलाकर रख दिया था। इतिहासकारों ने भले ही इस वीर महिला के साहस को वह प्रसिद्धी प्रदान नहीं की जिसकी वह हकदार थी। लेकिन हम सभी इस बात को जानते है कि राणी अवंतीबाई का हिंदुस्तान की आजादी की लड़ाई में जो योगदान रहा है वह भुलाया नही जा सकता। राणी अवंतीबाई देश की आजादी में वो अमर शहीद है जिनका सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। राणी अवंतीबाई न केवल लोधी समाज अपितु सारे आजाद भारत का गौरव है ऐसी वीरांगणा अमर शहीद राणी अवंतीबाई के १६३ वें बलिदान दिवस पर उन्हें नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का विश्वास पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से चैनलाल लिल्हारे, डॉ. उत्तम ढेकवार, परस बसेने, लक्ष्मीचंद लिल्हारे, राजकुमतार बसेने, रामप्रसाद कंसरे, सुरेश लिल्हारे, मुंसी डाहारे राजकुमार लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

जेसीआई गोंदिया सेंट्रल द्वारा विमेंस अवॉर्ड का सफल आयोजन

गोंदिया– अंतराष्ट्रीय व्यक्तित्व विकास संस्था जेसीआई गोंदिया सेंट्रल द्वारा २१ मार्च को शाम ७ बजे जेसीआई सभागृह में अध्यक्ष मंजरी मोदी की अध्यक्षता में भव्य जेसीआई विमेंस अवॉर्ड समारोह जेसीआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरषोत्तम मोदी की प्रमुख उपस्थित में व सुष्मिता बड़हम, मंजू कटरे, धर्मिष्ठा सेंगर, भावना अग्रवाल, पूजा तिवारी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुर्वे, पूर्व अध्यक्ष जेसी वासुदेव रामटेककर, संजय अग्रवाल, सुनील जैन महेश ठकरानी, गौरव बैस, यादवनंद फरकुंडे, डॉ नितेश बाजपेई, हर्ष अग्रवाल, जेसी प्रकाश शर्मा, जेसी राजेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष उमेश दमाहे ने सभी का सत्कार किया। कार्यक्रम में गोंदिया में महिलाओ की ८ वर्ग मे विशेष रुप से सम्मानित किया गया जिसमें ३० महिलाओं ने भाग लिया व सभी वर्ग में गूगल डॉक्स द्वारा वोटिंग प्रक्रिया रखी गई थी। जिसमें सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले को बेस्ट प्रोमोटर चुना गया। जिसमें मानवीय और स्वैच्छिक नेता वर्ग में दिव्या भगत, दिशा गेडाम, कृष्णा तिवारी, रेणु जयपुरिया ,अकादमिक नेता वर्ग में योगिता हरिनखेडे, कांची शर्मा,श्रद्धा शुक्ला, शिखा पिप्लेवार, व्यापार वर्ग में नीलिमा सोलंकी , नीलम सोनी,सलोनी सोनी, यशश्री कोचे, सांस्कृतिक वर्ग में शिल्पा अग्रवाल, निशिता अग्रवाल, कल्याणी मोहरे, श्रुति केकत, मयूरी कोचे, खेल वर्ग में प्रियंका बैस, भारती बागडे, कनक भारद्वाज, कला वर्ग मे कृतिका अग्रवाल, सपना श्रीवास,सोनी फुलसुंगे, राजनीतिज्ञ वर्ग में मौशमी परिहार सोनछात्रा,हरजीत कौर, मोहिता मक्कड़, चिकित्सक वर्ग में डॉ रुचिका शेंडे, डॉ. मोसमी तिवारी, डॉ. जयंती पटले, हर्षा अहीर पड़ोले सभी को इनके उत्कृष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

विकेल ते पिकेल नीति अंतर्गत रैयत बाजार की शुरुवात

गोंदिया– मुख्यमंत्री महाराष्ट्र राज्य के संकल्प में विकेल ते पिकेल धोरणा अंतर्गत संत शिरोमणी सावता माली रयत बाजार कृषि तंत्रज्ञान व्यवस्थापन यंत्रणा आत्मा व तहसील कृषि अधिकारी गोंदिया द्वारा पुलिस कर्मचारी वसाहत कारंजा में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आदेश से १३ मार्च से शुरुवात की गई। गोंदिया तहसील में धान के अतिरिक्त सब्जी-भाजी का उत्पादन बड़े पैमाने लिया जाता है। विकेल ते पिकेल नीति के तहत तहसील के किसान गट के द्वारा तथा भाजीपाला उत्पादक किसान इसके तहत ताजा व दर्जेदार भाजीपाला बिक्री पुलिस वसाहत कारंजा में शुरुवात की गई। ग्राम काटी, बिरसोला, वडेगांव, अदासी, गुदमा, तांडा, एकोडी, लोधीटोला के किसान विविध प्रकार के भाजीपाला, पपीता, सेंद्रीय गुड़, ज्वस व सरसों तेल की विक्री के लिए रखा गया है। पुलिस कर्मचारी व ग्राहकों ने खरीदी कर बाजार को उत्तम प्रतिसाद दिया। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी तथा आत्मा के प्रकल्प संचालक गणेश घोरपडे, उपविभागीय कृषि अधिकारी भिमाशंकर पाटिल, तहसील कृषि अधिकारी, धनराज तुमडाम, तहसील तंत्रज्ञान व्यवस्थापक (आत्मा) सुनिल खडसे ने बाजार में बिक्री हेतु आए किसानों को पुष्पगुच्छ स्वागत किया तथा दर्जेदार खेती का माला प्रति शनिवार बिक्री हेतु लाने की मांग की। रयत बाजार योजना के लिए तहसील तंत्रज्ञान व्यवस्थापक सुनिल खड़से व सहायक तंत्रज्ञान व्यवस्थापक शैलेश बिसेन ने अथक प्रयास किया उक्त बाजार हर शनिवार पुलिस कर्मचारी वसाहत कारंजा में दोपहर ३ बजे से शाम ७ बजे तक लगाया जाएगा। ऐसी जानकारी कृषि विभाग की ओर से दी गई है।

अमर शहीद हेमु कालानी का जन्मदिवस मनाया

गोंदिया – अमर शहीद हेमु कालानी के जन्मदिवस अवसर पर चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पगुच्छ व दिप प्रज्वलित कर अभिवादन व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद भगत ठकरानी, पार्षद लोकेश यादव, रमेश दावरानी, बलराम केसवानी, योगेश खत्री, टेकचंद सावलानी, धनशाम फंदी, शाम लालवानी, कपिल रंगलानी आदि उपस्थित थे।

बीएसएफ में नियुक्ति होने पर चांदनी उके का सत्कार

संवाददाता सड़क अर्जुनी- ग्राम कोहमारा में कुमारी चांदनी कर्णिक उके की बीएसएफ में होशियारपुर पंजाब में नियुक्ती व तहसील की प्रथम महिला कांन्स्टेबल नियुक्त होने पर महाराष्ट्र राज्य के पूर्व मंत्री इंजि. राजकुमार बडोले के हस्ते पुष्पगुच्छ व शाल श्रीफल प्रदान कर चांदनी का सत्कार किया गया।

पूर्व विधायक जैन के हस्ते शासकीय धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन

संवाददाता गोरेगांव– शेतकरी अभिनव सहकारी संस्था के प्रांगण में शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते व पूर्व सांसद डॉ. खुशाल बोपचे की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक जैन ने सभी किसानों से शासकीय धान खरीदी केद्रों पर ही धान बिक्री कर सरकार द्वारा प्राप्त बोनस का लाभ लेने का अहवान किया। कार्यक्रम में राजेंद्र जैन के साथ खुशाल बोपचे, डॉ. नामदेवराव किरसान, झामसिंग बघेले, पी. जी. कटरे, लक्ष्मणराव चंद्रीकापुरे, केवल बघेले, रामु हरिणखेडे, सि.टी. चौधरी, जितेंद्र कटरे, प्रदिप जैन, अनिता तुरकर, राजकुमार भेलावे, मनिष अग्रवाल, सुरेश टेंभरे आदि उपस्थित थे।

कोरोना को मात देकर फिर जनसेवा में जुटे विधायक विनोद अग्रवाल

ग्राम पंचायत छिपिया जिला परिषद प्राथमिक स्कूल को दी २० लाख के विकास कार्यों की सौगात

सरपंच अनामिका बहेकार की अध्यक्षता में किया भूमिपुजन

गोंदिया– गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय चुनाव जीतकर इतिहास बनाने वाले विधायक विनोद अग्रवाल निरंतर आम जनता की सेवा में सक्रिय हैं। २२ मार्च २०२० को कोरोना के कारण पुरे देश में किए गए लॉकडॉउन की स्थिति में भी विधायक विनोद अग्रवाल के कदम नहीं रुके विधायक विनोद अग्रवाल ने जरुरतमंदों को राशन एवं सामग्रीयां पहुंचाने के साथ ही नागरिकों की घर वापसी के मामलों में निरंतर मदद जारी रखी, वहीं पुरे समय विधायक विनोद अग्रवाल जनसेवा में जुटे रहे। आम जनता की सेवा में रहते-रहते विधायक विनोद अग्रवाल विगत दिनों आखिरकार कोरोना के प्रभाव में आ ही गए, स्वास्थ्य में आई अचानक खराबी के कारण चिकित्सकों द्वारा विधायक विनोद अग्रवाल को कोरोना पॉजिटीव घोषित कर दिया गया, जिसके चलते विधायक विनोद अग्रवाल को आखिरकार कुछ दिनों के लिए होम आईसोलेशन में रहना पड़ा, परंतु फिर विधायक विनोद अग्रवाल ने कोरोना को मात देकर एक बार फिर जनसेवा के कार्यों को गति प्रदान कर दी है, विधायक विनोद अग्रवाल जहां प्रतिदिन अपने कार्यालय में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिये सक्रिय हैं, वहीं २१ मार्च को विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से जिला

परिषद क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में ५० स्कूलों में स्वीकृत कराये गए विकास कार्यों को विधायक विनोद अग्रवाल ने गति प्रदान करने का क्रम शुरु कर दिया। २१ मार्च को ग्राम पंचायत छिपिया में जिला परिषद प्राथमिक स्कूल के अंतर्गत २० लाख रुपए लागत से विविध विकास कार्यों का भूमिपुजन विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते तथा सरपंच अनामिका तेंद्रपाल बहेकार की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक आयोजन के दौरान किया गया। विधायक विनोद अग्रवाल ने स्कूल भवन में २० लाख रुपए की लागत से बनाये जाने वाले कम्पाउंड वॉल भाग क्र. १ व २, आंगनबाड़ी भवन, गद्दु संहित प्रवेश मार्ग के निर्माण का भूमिपुजन विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ किया, और उन्होंने इस दौरान संपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिये प्रतिबद्घता जताई।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखकर करवाएं कार्य

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि हम शासकीय प्रणाली के माध्यम से होने वाले कार्यों के दौरान देखते हैं कि ठेकदारों के द्वारा जो कार्य करवाये जाते हैं, उसमें उसकी गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जाता, इसका खामियाजा आम जनता को भोगना पड़ता है, इसलिए जो भी कार्य अब गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में करवाए जाएंगे, उसमें घटिया निर्माण कार्यों की शिकायत सामने आयेगी, तो संबंधित के खिलाफ कार्यवार्य करने से हम पीछे नहीं हटेंगे। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि आप सबने पूरी ताकत से मुझे चुनाव जीताकर भेजा है, इससे आप जीतने प्रसन्न हैं, उतने ही कुछ लोग बहुत दुखी हैं, जब उनको मौका मिला था संपूर्ण क्षेत्र में भ्रष्टाचार के गढ्ढे ही सड़कों पर नजर आते थे, लेकिन अब गोंदिया विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर बदलने लगी है। आने वाले दिनों में गोंदिया क्षेत्र की सभी जरुरतों को पूरा करने के लिये हमारे प्रयास जारी हैं, और इसके परिणाम आपको धीरे-धीरे दिखने लगेंगे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत छिपिया में २० लाख रुपए लागत के विकास कार्यों के निर्माण के भूमिपुजन कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रुप से उपसरपंच उके, ग्राम पंचायत सदस्य चेतनकुमार बहेकार, सुरेन्द्र माहुरकर, भुयेन्द्र भलावी, दुर्गाबाई खोटेले, ममिता खोबरागड़े, सरिता टेकाम, लक्ष्मी कठाने व स्कूल समिति तथा तंटामुक्ति अध्यक्ष व समस्त ग्राम छिपिया के नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

फांसी लगाई

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले फुक्कीटोला निवासी तिलकचंद उर्फ तनुज मोहनलाल तुरकर (२५) शराब का आदि था तथा घटना वाले दिन मेरी शादी कर दो ऐसा कहते हुए अपनी मां और परिवार वालों से गालीगलौच कर मारपीट की तथा परिवार वालों को घर से बाहर निकाल घर की पिछे वाली छपरी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फर्यादी पन्नालाल कुंवरलाल तुरकर की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस कर्मचारी दिलीप उरकुडे कर रहे है।

मारपीट का मामला दर्ज

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम मोहाड़ी निवासी फर्यादी शामलाल यादोराव धपाड़े (६५) की बकरी के मेमने आरोपियों की बाड़ी में जाने से मारपीट हो गई। जानकारी के अनुसार २ आरोपियों ने आपसी में सांठगांठ करते हुए तुम्हारी बकरी के मेमने हमारी बाड़ी में क्यों आए इस बात को लेकर विवाद किया जिसमें से आरोपी क्रमांक १ ने बांस की की लाठी से फर्यादी के सिर पर बार कर गंभीर रुप से जख्मी किया। फर्यादी के डॉक्टरी अहवाल व शिकायत के आधार पर उक्त आरोपियों के खिलाफ धारा ३२४, ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस हवलदार वानखेडे कर रहे है।

कार की टक्कर से जख्मी

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले कारगांव के समीप कार क्रमांक एमएच पी. ३२२७ के चालक ने वाहन को लापरवाही पूर्वक तेज गति से चलाते हुए फर्यादी की दुपहिया क्रमांक एमएच ३५ क्यु ०१३३ को टक्कर मार दी जिसके चलते दुपहिया चालक गंभीर रुप से जख्मी हो गया। फर्यादी कोमेश भोजराज रिनाईत (३०) निवासी कामरगांव की शिकायत के आधार पर धारा २७९, ३३७ सह १८४ के तह मामला दर्ज किया है।

बाईक चोरी

शहर थाना अंतर्गत आनेवाले चंद्रशेखर वार्ड, श्रीनगर निवासी फर्यादी विनायक बाबुलाल भोसकर (५५) ने अपनी दुपहिया क्रमांक एमएच ३५ ए.एल ०८७१ कीमत ३० हजार रुपए को स्टेड़ियम के सामने खड़ा किया था। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोर उसका वाहन लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर शहर थाने में धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिसकर्मी मेश्राम कर रहे है।

संदिग्ध युवक पकड़ाया

शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले श्रीनगर गोंदिया की दारु भट्टी के समीप पुलिस द्वारा गस्त लगाई जा रही थी। इसी दौरान किसी घटना को अंजाम देने के प्रयास में बैठे संदिग्ध युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी युवक पुलिस को देख अपना अस्तित्व छुपाने का प्रयास कर रहा था तथा उसके पास से पेचकस भी बरामद किया गया। उपरोक्त मामले की जांच पुलिस कर रही है।

धान से भरे बोरो की चोरी

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले चुरडी फाटा गुरुकृपा इंजिनियरिंग वर्क शॉप के समीप किराये से लेकर धान का गोडाऊन चलानेवाले फर्यादी के गोडाऊन को अज्ञात चोरो ने निशाना बनाया तथा वहां मौजुद धान से भरे ५० बोरे चोरी कर लिए जिसकी कीमत ४ लाख ९० हजार रुपए बताई गई। फर्यादी विशाल हिरालाल झरारिया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा ३८०, ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की आगे की जांच पुलिस कर्मचारी बर्वे कर रहे है।

समरसिबल मोटरपंप चोरी

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम बिर्सी निवासी फर्यादी नेहालचंद बोरकर (५३) के खेत परिसर में लगे समरसिबल मोटर पंप तथा केबल ऐसा कुल मिलाकर २४ हजार ५०० रुपए का माल अज्ञात चोर लेकर फरार हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस कर्मचारी बांते कर रहे है।

ज्वेलर्स दुकान में महिला ग्राहक के गहने चोरी

शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले दुर्गा चौक में स्थित सोनी मंगनीराम ज्वेलर्स की दुकान में कामठा निवासी महिला अनिता नागपुरे (२६) ने अपनी सोने की नथ कीमत १५ हजार रुपए को पर्स में लेकर बैठी थी। इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने भीड़ का लाभ उठाते हुए महिला का पर्स लेकर फरार हो गया। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस कर्मचारी शेंडे कर रहे है।

बैग से औजार बरामद

रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम गर्रा में आरोपी के पास मौजुद काले रंग की बैग से औजार बरामद किए गए है। जानकारी के अनुसार आरोपी वॉचमेन का कार्य करता है तथा उसके पास से पुलिस ने एक बड़ा धारादार चाकु व एक छोटी तलवार जैसा दिखने वाला औजार बरामद किया है। आरोपी द्वारा धारा ३७ १.३ अधिनियम का उल्लंघन किया गया। फर्यादी पुलिस हवलदार की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा ४,२५ सहायक धारा १३५ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

मध्यम प्रकल्पों में सिर्फ ३३ फीसदी पानी

मामा तालाबों के साथ-साथ लघु प्रकल्प भी हो रहे हैं खाली

गोंदिया- तालाबों के जिले के नाम से प्रसिद्ध गोंदिया जिले में ग्रीष्मकाल की आहट लगते ही नदी, नाले तालाब एवं जलाशय धीरे-धीरे सूखने लगे। मध्यम प्रकल्पों में औसतन ३३.७९ प्रतिशत एवं लघु प्रकल्पों में ४३.३४ प्रतिशत तथा पुराने माल गुजारी तालाबों में सिर्फ ३४.७६ प्रतिशत जल संग्रहण बचा हुआ है। अभी से ही यह स्थिति है तो अप्रैल, मई एवं जून की स्थिति कितनी बिकट होगी यह डर जिलेवासियों को सताने लगा है। गोंदिया जिले में हजारों की संख्या में तालाब होने से जिले का भू-गर्भ जलस्तर ठीक रहने के कारण आज ग्रीष्मकाल में टैंकर से जलापूर्ति करे नौबत नही आई है। लेकिन जिले के कुछ गांवो में प्रतिवर्ष जलसंकट की समस्या होती है। इस वर्ष पर्याप्त बारिश होने के बावजूद भी अभी से ही जलाशयों की स्थिति नाजुक हो रही है। जिससे जिलेवासियों को ग्रीष्मकालीन जलसंकट की चिंता सताने लगी है।

सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बोदलकसा मध्यम प्रकल्प में १९.२४ प्रतिशत, चोरखमारा में २१.९१ प्रतिशत, चुलबंध में ४६.८२ प्रतिशत, खैरबंधा में ४१ प्रतिशत, मानागढ़ में सिर्फ १७ प्रतिशत, रेंगेपार ४५.५३ प्रतिशत एवं संग्रामपुर मध्यम प्रकल्प में २८ प्रतिशत पानी शेष है कि गत वर्ष इसी कालावधि में मध्यम प्रकल्पों में ५२.५५ प्रतिशत पानी था, जो कि इस वर्ष कम होने के कारण जलसंकट निर्माण होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मध्यम प्रकल्पों के साथ-साथ लघु प्रकल्पों की स्थिति भी दिनोंदिन बिकट होती जा रही है। जिले के कुल २० लघु प्रकल्पों में औसतन ४४.५४ तथा ३८ पुराने मालगुजारी तालाबों में सिर्फ ३४ प्रतिशत पानी बचा हुआ है।

कोल्हापुरी बांधो से हो रही वन्यप्राणियों की तृष्णा तृप्ति

ग्रीष्मकाल की आहट लगते ही अनेक छोटे-मोटे तालाब सूख गए है। जिससे वन्यप्राणियों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसे में कोल्हापुरी बांध उनके लिए वरदान साबित हो रहे हैं। छोटे नालों पर जगह-जगह हजारों कोल्हापुरी बांध जिले में बनाए गए है। ग्रीष्मकालीन धान उत्पादन के लिए जलाशय से छोड़े हुए पानी का रिसाव नालों की ओर होने के कारण कोल्हापुरी बंधारो में पानी का संचय हो रहा है। जिससे वन्यप्राणियों की प्यास बुझ रही है।

बांध निर्माण के कामों पर कोरोना ने लगाया ब्रेक

प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल के पहले बड़े पैमाने पर नदी-नालों का बहता पानी रोकने के लिए सरकारि योजनाओं के साथ-साथ सेवाभावी संस्थाओं द्वारा तथा गांव-गांव के नागरिकों द्वारा श्रमदान के माध्यम से बांध बनाए जाते थे। जिसके माध्यम से बहता पानी रुकने के कारण जलसंकट की समस्या कम हो जाती थी। लेकिन पिछले साल से कोरोना महामारी ने जल संवर्धन के कामों पर ब्रेक लगा दिया है। जिससे जलसंकट बढ़ने की संभावना तेज हो गई है।

चिचगढ़ अपर तहसील कार्यालय भगवान भरोसे

लिपिक पर कार्यालय का बोझ

संवाददाता - देवरी तहसील की बढ़ती आबादी बढ़े क्षेत्र आदि के कारण प्रशासनिक सुविधा के मद्देनजर चिचगढ़ में स्वतंत्र अपर तहसीलदार का कार्यालय स्थापित किया गया। क्षेत्र के लोगो तथा विद्यार्थियों को समय-समय पर आवश्यक दस्तावेज मिलने की अपेक्षा थी। लेकिन आज अपर तहसील कार्यालय चिचगढ़ सिर्फ एक काल्पनिक अहसास ही बनकर रह गया है। फिलहाल चिचगढ़ अपर तहसील कार्यालय का भार केवल लिपिक के कंधो पर है। चिचगढ़ अपर तहसील कार्यालय ककोड़ी ग्राम के अंतर्गत आनेवाले १७ ग्रामों के लोगों के लिए और चिचगढ़ ग्राम के अधीन ३३ ग्रामों के लोगों के लिए स्थापित किया गया था। लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण शुरुवात से ही लोगो को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

इन गांवो में बढ़ी परेशानी

कड़ीकसा, पावलझोला, चिल्हाटी, तुमडीकसा, वड़ेकसा, मुरमाडी, ककोडी, उचेपुर, कुनबीटोला, चिपोटा, महाका, मिसपिर, धवलखेड़ी, इस्तारी, मेहताखेड़ा, धमदीटोला, येडमागोंदी, चिचगढ़, देवलगांव, वांढरा, डोंगरगाव, सुंदरी, पिपरखारी, वासणी, मोहाड़ी, पवनी, घोनाड़ी, सरेगांव, सिंगाडोह, मैसुली, बोंडे, पलसगांव, धमदीटोला, सुकड़ी, ढोहरा, रोपा, पांलादूर/ जमी, बालापुर, गरारटोला, मगरडोह, घोगरा ग्राम के लोग पीड़ित हैं।

राकांपा ने किया निरिक्षण

चिचगढ़ अपर तहसील कार्यालय का निरिक्षण देवरी तहसील राकांपा अल्पसंख्यक के अध्यक्ष बबलू पठान के साथ-साथ पार्टी की सामाजिक कार्यकर्ता आरती जांगडे व युवती तहसील अध्यक्ष माधुरी सहारे ने किया।

देवरी में कार्यरत प्रभारी अपर तहसीलदार

बी.एस. कोरे (शीर्ष लिपिक - अपर तहसील कार्यालय) ने बताया कि अपर तहसीलदार एनजे उइके को कार्यालय में नियुक्त किया गया था। लेकिन कुछ ही दिनों के भीतर उनका तबादला लाखांदूर में कर दिया गया। प्रभारी अपर तहसीलदार बीटी यावलकर है। लेकिन देवरी तहसील में कार्यरत हैं। शीर्ष लिपिक के रुप में मै केवल काम करनेवाला कर्मचारी हूं और सारा काम मेरे कंधो पर आ गया है। कोतवाल- मुकुंद मेश्राम ऊपरी तहसील कार्यालय में चपरासी के पद पर कार्यारत हैं। जबकि उप तहसीलदार शिंदे आमगांव में कार्यरत है।

विकास कार्य के चलते

आमगांव में लग रहा ट्रॉफिक जाम

दुर्घटना की बनी आशंका, पुलिस विभाग मौन

आमगांव संवाददाता - स्थानीय नगर में रेल्वे स्टेशन से लांजी रोड़ नदी तक मेन रोड का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। जिससे राहगीरो को आवागमन करने भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ.बाबासाहब आंबेडकर चौक से महात्मा गांधी चौक व्हाया कामठा चौक तक एक बाजु का निर्माण कार्य शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। धड़ल्ले से जारी निर्माण कार्य के कारण एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहन टिप्पर, टैंकर आदि मशिनो के आवागमन तथा राहगीरों के आवागमन से नगर में कभी भी ट्राफिक जाम हो जाता है।

ट्रॉफिक जाम का कारण यह भी बताया जा रहा है कि किराणा, कपडा, ज्वेलर्स आदि दुकानो के सामने ग्राहको के वाहन खड़े रहते हैं। आवागमन करने वाले नागरिक साईड से न चलते विपरित दिशा से चलते हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है बताया गया है कि स्थानीय पुलिस ने पिछले सप्ताह नगर के मुख्य मार्ग पर लाउडस्पीकर से मेन रोड पर आवागमन करने हेतु सावधानी बरतने का आहवान किया। लेकिन राहगीरों द्वारा लापरवाही बरती जा रही हैं। जिससे दुर्घटना घटने की आशंका निर्माण हो रही है। पुलिस विभाग ने नगर मे बढ़ रही एवं जाम हो रही ट्रॉफिक व्यवस्था पर अंकुश लगाने कारगर कदम उठाना चाहिए ऐसी मांग की।

रेत से भरा ट्रैक्टर पकड़ाया

रावणवाड़ी थाना अंतर्गत आनेवाले बाघनदी के रेती घाट से बिना किसी मंजूरी के रेती ले जा रहे ट्रैक्टर व ट्राली क्रमांक एमएच ३५ आयएफ ४७९७ को पकड़ा गया। पुलिस ने ट्रैक्टर व रेती सहित कुल ५ लाख ९३ हजार रुपए का माल जब्त किया। फर्यादी पुलिसकर्मी रुकमोडे की शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस हवलदार वानखेडे कर रहे है।

गन्ने की खेती से किसानों के जीवन में आई मिठास

संवाददाता कामठा - गोंदिया तहसील के कामठा से करीब ५ किमी दूरी पर स्थित ग्राम कटंगटोला के किसान कई वर्षों से गन्ने की खेती कर गुड़ का व्यापार कर रहे हैं। इस वर्ष गन्ने की खेती ने गांव के किसानों के जीवन में मिठास लाई है। खास बात यह है कि गांव के किसान जैविक पद्धती से गन्ने की खेती करते हैं। जिसकी वजह से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। किसान दुरुकलाल बाहे, कबीर बाहे, सुरेश बाहे ने बताया कि एक से दो एकड़ में इस वर्ष गन्ने की फसल लगाई गई है। वर्ष २०१८-१९ में गन्ने की अच्छी फसल हुई थी। लेकिन वर्ष २०२० में कोरोना संक्रमण के कारण गुड़ खरीदी करने वाले बाहरी राज्य के व्यापारी कोरोना के डर से गुड़ खरीदने नहीं आए। जिसकी वजह से उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ा।

कटंगटोला के किसानों ने बताया कि इस वर्ष एक ही एकड़ में जैविक गन्ने की फसल लगाई गई है। जहां बिना किसी बाहरी दवाई के प्रयोग से २५ से ३० क्विंटल गुड़ निकाला जाता है। जिससे किसानों के जीवन में गन्ने की फसल की मिठास उतर आई है।

गोर्रे की पीएचसी को लोकार्पण की प्रतीक्षा

संवाददाता - सालेकसा तहसील स्थित गोर्रे गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं होने के कारण इस क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता था। अब गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य की इमारत बनकर तैयार है लेकिन लोकार्पण नहीं हो रहा है।

करीब ३ वर्ष पूर्व जिला परिषद के माध्यम से आयुष्यमान भारत योजना के अंतर्गत ग्राम गोर्रे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माणकार्य शुरु किया गया था। इस इमारत का निर्माणकार्य अब पूरा हो चुका है। लेकिन इसके बावजूद नवनिर्मित इमारत का लोकार्पण नहीं होने के कारण मरिजों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। गोर्रे गांव घने जंगलो से घिरा हुआ तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले, इस उद्देश्य से यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है। पूर्व विधायक रामरतन राऊत के प्रयासों को स्वास्थ्य केंद्र की इमारत के निर्माणकार्य को मंजूरी मिलने के बाद वर्ष २०१७-१८ में ५.५० करोड़ रुपए की निधि निर्माणकार्य के लिए मंजूर की गई। पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, संजय पुराम, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम कटने की उपस्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की इमारत का भूमिपूजन किया गया था। लगभग २ एकड़ क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार है। लेकिन इसका लोकार्पण नहीं हुआ है। जिसके कारण गोर्रे एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य संबंधित बुनियादी सुविधा भी क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हो पा रही है। यदि कोरोनाकाल के दौरान ही इस इमारत का लोकार्पण कर दिया गया होता तो इस दुर्गम क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकता था। अभी भी यदि इस केंद्र को प्रारंभ कर यहां पर्याप्त संख्या में चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति की जाए तो, गोर्रे एवं आसपास के ग्रामीण को इसका लाभ मिल सकता है।

विद्युतीकरण के काम के कारण रुका लोकार्पण

सालेकसा तहसील के ग्राम गोर्रे मे आयुष्यमान भारत योजना के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रकी इमारत बनकर तैयार है। लेकिन इसमें विद्युतीकरण का काम अधूरा होने के कारण इसका लोकार्पण नहीं हो पाया है। विद्युतीकरण के काम के लिए टेंडर हो चुके हैं। जल्द ही इसका काम पूरा होते ही इमारत का लोकार्पण कर इसे सामान्य नागरिकों की सेवा के लिए खोल दिया जाएगा।

- डॉ.अमित खोड़नकर,
तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, सालेकसा

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।